दिनांक 10 अप्रैल, 2015 को सम्पन्न राज्य संदर्भ समूह (पैडागॉजी) की बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक 10 अप्रैल, 2015 को राज्य परियोजना कार्यालय (सर्व शिक्षा अभियान) के सभा कक्ष में निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में राज्य संदर्भ समूह (SRG) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची संलग्न है।

सदस्यों के परिचय के साथ बैठक प्रारम्भ हुई। अपर राज्य परियोजना निदेशक द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया तथा पैडागॉजी के विभिन्न कार्यक्रमों की संक्षेप में जानकारी सदस्यों को दी गयी जिसमें ASER की रिपोर्ट, QMTs, Action Research, SLAS की संक्षिप्त रिपोर्ट आदि के बारे में जानकारी दी गयी। राज्य संदर्भ समूह से उनके महत्वपूर्ण सुझावों की भी अपेक्षा की गई। इसके पश्चात विशेषज्ञ पैडागॉजी द्वारा PAB भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015–16 के लिए पैडागाजी के अन्तर्गत स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक तथा वित्तीय लक्ष्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तावित Action Plan भी बैठक में रखा गया। NAS की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा इसके परिणामों पर चिन्ता व्यक्त की गयी। इसके पश्चात विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सदस्यों द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिये गये–

- विभिन्न संस्थाओं के उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा संक्षेप में शिक्षा विभाग/सर्व शिक्षा अभियान के साथ गुणवत्ता शिक्षा के लिए किये जा रहे कार्यों का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया गया।
- हे0न0ब0 केन्द्रीय विश्व विद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल शिक्षा संकाय की एसोसिएट प्रोफेसर डा0 सीमा धवन द्वारा प्रधानाचार्यों पर किये गये शोध का संक्षेप में प्रस्तुतीकरण किया गया और यह बात बताई गयी कि प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक विद्यालय तथा समुदाय के बीच सेतु का कार्य करता है तथा विद्यालय की सफलता की कुंजी होता है। प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापक को SWOT analysis बताया जाना चाहिए।
- एन0सी0ई0आर0टी0 के प्रोफेसर वी0पी0 सिंह द्वारा यह सुझाव दिया गया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के सभी भागों पर कार्य किया जाना चाहिए तथा प्रशिक्षण समयावधि का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। उनका यह भी सुझाव था कि बच्चों को Copy-Paste की संस्कृति से बचाना चाहिये तथा उनमें संरचनात्मक सोच विकसित करने हेतु प्रयास किये जाने चाहिये। NCERT द्वारा विकसित Quality Monitoring Tools के प्रयोग, राज्य स्तरीय अधिगम सम्प्राप्ति सर्वेक्षण (SLAS) तथा शैक्षिक अनुसंधान में राज्य के प्रतिभागियों की क्षमता संवर्धन हेतु NCERT हमेशा तैयार है।
- श्री अशोक कुमार गुसाईं, जिला शिक्षा अधिकारी चमोली द्वारा सुझाव दिया गया कि सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण में अध्यापकों को मूलभूत दक्षताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए । विद्यालयों में ICT के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिये। स्वच्छता पर निर्मित किये जाने वाले शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल में नैतिक मूल्यों को सम्मिलित किया जाना चाहिये।
- सम्पर्क फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री वैंकटेश मैलूर द्वारा अवगत कराया गया कि वे बच्चों में शुरूआती गणित की दक्षताओं को प्राप्त करने हेतु विकसित गणित किट के माध्यम से संस्था वर्तमान में देहरादून जनपद के रायपुर विकासखण्ड के 126 विद्यालयों में कार्य कर रही है तथा वर्ष 2015–16 में संस्था राज्य के सभी जनपदों के एक–एक विकासखण्ड के सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में अपने कार्यक्रम का विस्तार (Scale-up) करेगी।

- प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उन्होंने राज्य के साथ पूर्व में भाषा, गणित तथा अंग्रेजी विषय पर कार्य किया है। वर्तमान में वे विज्ञान तथा गणित विषय के प्रत्ययों को प्रयोग प्रदर्शन के माध्यम से स्पष्ट करने हेतु कुछ चुने हुए विद्यालयों में कार्य कर रहे हैं। इसमें अध्यापक तथा छात्र स्वयं उपकरण तैयार करते हैं तथा मेले के माध्यम से इनका प्रदर्शन करते हैं। वर्ष 2015–16 में विज्ञान तथा गणित विषय को लोकप्रिय बनाने हेतु स्वीकृत गतिविधियों के संचालन में वे सहयोग कर सकते हैं।
- रूम टू रीड के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि वे बच्चों में पढ़ने की आदत तथा पढ़ने के कौशल विकसित करने हेतु रा0प्रा0 विद्यालयों के कक्षा 1 व 2 के बच्चों के लिए कार्य करते हैं। हरिद्वार जनपद के चयनित रा0उ0प्रा0 तथा माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के लिए बालिका शिक्षा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2015–16 से देहरादून जनपद के 100 चयनित रा0प्रा0 विद्यालयों में Literacy Program. संचालन की कार्यवाही प्रारम्भ कर ली गयी है।
- अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि वे राजकीय संस्थाओं की मजबूती के लिए कार्य करते हैं। उत्तराखण्ड राज्य में उनका एक राज्य स्तरीय संस्थान देहरादून में तथा उत्तरकाशी, अल्मोड़ा तथा उद्यमसिंह नगर में जनपद स्तरीय संस्थान संचालित है। फाउण्डेशन राज्य को सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के प्रारम्भ होने से ही काल्प, सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम निर्माण, स्कूल लीडरशिप कार्यक्रम, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आदि क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करता रहा है।
- SCERT से सेवानिवृत्त प्रवक्ता श्री मदन मोहन पाण्डे द्वारा यह सुझाव दिया गया कि ज्ञान परिवेश में भी है, बच्चों को विद्यालय की चाहरदीवारी से बाहर ले जाने की आवश्यकता है तथा किसी भी नये सिद्धान्त को अपनाने में कुछ समय लगना अवश्यम्भावी है।
- बैठक में प्रतिभागियों के द्वारा सुझाव दिया गया कि स्वच्छता को School Sanitation Programme से जोड़ा जाना चाहिये तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल में स्वच्छता से सम्बन्धित सफलता की कहानियों (Success Stories) को सम्मिलित किया जाना चाहिये।
- श्रीमती आभा गौड़, प्रधानाध्यापिका रा0प्रा0वि0 अजबपुर –II द्वारा अवगत कराया गया कि जब निदेशक अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण डा0 कुसुम पन्त उनके विद्यालय में गई तो विद्यालय के बच्चों द्वारा उनका साक्षात्कार लिया गया तथा उन्होने एक पत्र भी दिखाया जो कि एक बच्चे के द्वारा निदेशक को लिखा गया था। विद्यालय के बच्चों के इस कार्य को प्रतिभागियों द्वारा सराहा गया तथा राज्य के अन्य विद्यालयों में भी इसी प्रकार के वातावरण सृजन हेतु प्रयास किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।
- SCERT के प्रतिभागियों द्वारा सुझाव दिया गया कि जनपद स्तर पर आयोजित होने वाले मुख्य प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तथा ब्लाक स्तर आयोजित होने वाले सेवारत अध्यापकों के प्रशिक्षण की Mentoring हेतु मॉड्यूल निर्माण समूह तथा मुख्य संदर्भदाताओं को भेजा जाना चाहिये। बी0आर0सी0 तथा सी0आर0सी0 स्तर पर होने वाले प्रशिक्षणों पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। समस्त सी0आर0सी0 समन्वयकों तथा बी0आर0सी0 समन्वयकों द्वारा सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण लिया जाना आवश्यक है ताकि वे विद्यालयों में अध्यापकों द्वारा प्रशिक्षणों के अनुप्रयोग का अनुश्रवण कर सकें तथा अनुसमर्थन दे सकें।

- Follow up of Training हेतु स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किये जाने चाहिए।
- खण्ड शिक्षा अधिकारी/उप शिक्षा अधिकारी को प्रशिक्षण हेतु अध्यापकों तथा प्रशिक्षकों को कार्यमुक्त करने हेतु उत्तरदायी बनाया जाना चाहिये।
- मुख्य प्रशिक्षकों (एम0टी0) के चयन में सावधानी बरती जानी चाहिए क्योंकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता मुख्य प्रशिक्षकों की योग्यता, क्षमता एवं रूचि पर काफी कुछ निर्भर करता है।
- निदेशक अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण डा0 कुसुम पन्त द्वारा समापन सम्बोधन में सुझाव दिया कि मुख्य संदर्भदाताओं का प्रशिक्षण कम से कम 6 दिन का अवश्य होना चाहिए। मुख्य प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में प्रत्येक गतिविधि हेतु निर्धारित समय का पालन किया जाना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान Process Sheet अवश्य तैयार की जानी चाहिए। सभी प्रशिक्षण शिक्षा सत्र के प्रारम्भ में ही सम्पन्न कर लिये जाने चाहिए।

अन्त में सभी अकादमिक संदर्भ सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

05/05/2015

(डा0 मुकुल कुमार सती)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पृ0सं0:– अ0रा0प0नि0/286 /पैडागॉजी/SRG/2015–16 दिनांक:06 मई, 2015
प्रतिलिपि:–

1- राज्य परियोजना निदेशक, महोदय के अवलोकनार्थ।
2- निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड–देहरादून।
3- डा0 कुसुम पन्त, निदेशक, अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4- डा0 मुकुल कुमार सती, अपर राज्य परियोजना निदेशक, (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
5- डा0 आर0डी0 शर्मा, अपर निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड देहरादून।
6- डा0 सीमा धवन, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, हे0न0ब0 केन्द्रीय वि0 विद्यालय श्रीनगर गढ़वाल।
7- डा0 वी0पी0सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली।
8- श्रीमती गीता नौटियाल, प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून।
9- श्री अशोक कुमार गुसाईं, जिला परियोजना अधिकारी, (सर्व शिक्षा अभियान), चमोली।
10- श्री मेहरवान सिंह बिष्ट, विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय ,एस0एस0ए0, देहरादून।
11- श्रीमती कमला बड़वाल, विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
12- श्री बी0पी0 मैन्दोली, राज्य समन्वयक, रा0परि0का0 (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
13- श्री अरुण सिंह बिष्ट, राज्य समन्वयक, रा0परि0का0 (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
14- श्री मदन मोहन पाण्डे, सेवानिवृत्त प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
15- डा0 एस0 के0 गौड़, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
16- डा0 डी0 एस0 लिंगवाल, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
17- श्री शैलेश कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
18- श्री एम0एम0 जोशी, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
19- डा0 हेमलता तिवारी, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।

20- श्री जे0 के0 जोशी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा।
21- डा0 डी0पी0 रतूड़ी, सीनियर प्रोफेशनल, सीमैट, उत्तराखण्ड, देहरादून।
22- श्री चन्द्र शेखर मखौलिया, जिला समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान, पिथौरागढ़।
23- श्री रमेश चन्द्र जोशी, बी0आर0सी0 समन्वयक, गंगोलीहाट, पिथौरागढ़।
24- श्री जीतेन्द्र सिंह राणा, जिला समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान टिहरी।
25- श्रीमती अमिता रावत, संकुल समन्वयक, संकुल परेड ग्राउण्ड, देहरादून।
26- श्री जे0पी0 कुकरेती, स0ह0, रा0उ0प्रा0 विद्यालय, बिजनी बड़ी, पौड़ी।
27- श्रीमती आभा गौड़, प्र0अ0, रा0प्रा0वि0, अजबपुर कला – II देहरादून।
28- श्रीमती रेनू कान्ता, स0अ0, रा0उ0प्रा0 विद्यालय कण्डोली, रायपुर देहरादून।
29- श्री सौरभ राय, समन्वयक, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन 53, ई0सी0 रोड़, देहरादून।
30- श्री जुबैर मलिक, संदर्भदाता, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन 53, ई0सी0 रोड़, देहरादून।
31- पुष्पलता रावत, प्रतिनिधि रूम टु रीड इण्डिया, 12/26 आशीर्वाद इन्कलेव, न्यू फारेस्ट देहरादून।
32- श्री प्रेम सिंह रावत, प्रतिनिधि प्रथम एजूकेशन फाउण्डेशन, भ.सं.-331फेस–II बसन्त बिहार देहरादून।
33- श्री मयंक, प्रतिनिधि प्रथम एजूकेशन फाउण्डेशन, भ.सं.-331फेस–II बसन्त बिहार देहरादून।
34- श्री वैंकटेश मैलूर, अध्यक्ष सम्पर्क फाउण्डेशन, ए–176, सेक्टर 40, नोएडा, उ0प्र0।
35- श्री संदीप चौहान, प्रोग्रामर सम्पर्क फाउण्डेशन, ए–176, सेक्टर 40, नोएडा, उ0प्र0।
36- श्री संदीप कुमार, प्रोग्रामर सम्पर्क फाउण्डेशन, ए–176, सेक्टर 40, नोएडा, उ0प्र0।

05/05/15

(डा0 मुकुल कुमार सती)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
उत्तराखण्ड, देहरादून।

O/C

राज्य संदर्भ समूह सदस्यो की सूची –

1. डा0 मुकुल कुमार सती, अपर राज्य परियोजना निदेशक, (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. श्री आर0डी0 शर्मा, अपर निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. डा0 सीमा धवन, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, हे0न0ब0 केन्द्रीय वि0 विद्यालय श्रीनगर गढ़वाल।
4. डा0 वी0पी0सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली।
5. श्रीमती गीता नौटियाल, प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून।
6. श्री अशोक कुमार गुसाईं, जिला परियोजना अधिकारी, (सर्व शिक्षा अभियान), चमोली।
7. श्री मेहरवान सिंह बिष्ट, विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय ,एस0एस0ए0, देहरादून।
8. श्रीमती कमला बड़वाल, विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. श्री बी0पी0 मैन्दोली, राज्य समन्वयक, रा0परि0का0 (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. श्री अरुण सिंह बिष्ट, राज्य समन्वयक, रा0परि0का0 (एस0एस0ए0) उत्तराखण्ड, देहरादून।
11. श्री मदन मोहन पाण्डे, सेवानिवृत्त प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. डा0 एस0 के0 गौड़, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
13. डा0 डी0 एस0 लिंगवाल, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
14. श्री शैलेश कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
15. श्री एम0एम0 जोशी, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
16. डा0 हेमलता तिवारी, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
17. श्री जे0 के0 जोशी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा।
18. डा0 डी0पी0 रतूड़ी, सीनियर प्रोफेशनल, सीमैट, उत्तराखण्ड, देहरादून।
19. श्री चन्द्र शेखर मखौलिया, जिला समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान, पिथौरागढ़।
20. श्री रमेश चन्द्र जोशी, बी0आर0सी0 समन्वयक, गंगोलीहाट, पिथौरागढ़।
21. श्री जीतेन्द्र सिंह राणा, जिला समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान टिहरी।
22. श्रीमती अमिता रावत, संकुल समन्वयक, संकुल परेड ग्राउण्ड, देहरादून।
23. श्री जे0पी0 कुकरेती, स0ह0, रा0उ0प्रा0 विद्यालय, बिजनी बड़ी, पौड़ी।
24. श्रीमती आभा गौड़, प्र0अ0, रा0प्रा0वि0, अजबपुर कला – ॥ देहरादून।
25. श्रीमती रेनू कान्ता, स0अ0, रा0उ0प्रा0 विद्यालय कण्डोली, रायपुर देहरादून।
26. श्री सौरभ राय, समन्वयक, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन 53, ई0सी0 रोड़, देहरादून।
27. श्री जुबैर मलिक, संदर्भदाता, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन 53, ई0सी0 रोड़, देहरादून।
28. पुष्पलता रावत, प्रतिनिधि रूम टु रीड इण्डिया, 12/26 आशीर्वाद इन्कलेव, न्यू फारेस्ट देहरादून।
29. श्री प्रेम सिंह रावत, प्रतिनिधि प्रथम एजूकेशन फाउण्डेशन, भ.सं.-331फेस–II बसन्त बिहार देहरादून।
30. श्री मयंक, प्रतिनिधि प्रथम एजूकेशन फाउण्डेशन, भ.सं.-331फेस–II बसन्त बिहार देहरादून।
31. श्री वैंकटेश मैलूर, अध्यक्ष सम्पर्क फाउण्डेशन, ए–176, सेक्टर 40, नोएडा, उ0प्र0।
32. श्री संदीप चौहान, प्रोग्रामर सम्पर्क फाउण्डेशन, ए–176, सेक्टर 40, नोएडा, उ0प्र0।
33. श्री संदीप कुमार, प्रोग्रामर सम्पर्क फाउण्डेशन, ए–176, सेक्टर 40, नोएडा, उ0प्र0।